

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र



दिल्ली क्राइम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA



RNI No. DELHIN/2005/15378 ● DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 ● वर्ष-22 ● 01 अगस्त 2026 से 31 अगस्त 2026 ● अंक-15 एवं 16 ● पृष्ठ-8 ● मूल्य-10रु

ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज सहित कुल 39 मेडल जीते

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 ग्लासगो में 23 जुलाई से 2 अगस्त के बीच आयोजित किया गया, जिसमें 122 भारतीय एथलीटों ने आठ सामान्य खेलों और पांच पैरा-स्पोर्ट्स (दिव्यांग एथलीटों के लिए खेल) में हिस्सा लिया। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की मेडल टैली में भारत चौथे स्थान पर रहा। भारत ने 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज सहित कुल 39 मेडल जीते। यह उपलब्धि तब हासिल हुई जब गेम्स प्रोग्राम में काफी कटौती की गई थी और इसमें भारत के पारंपरिक रूप से मेडल दिलाने वाले खेल जैसे रेसलिंग, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, हॉकी और शूटिंग शामिल नहीं थे। बॉक्सिंग ने भारत के कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 अभियान में सबसे अहम भूमिका निभाई और रिकॉर्ड 10 मेडल जीते। इनमें सात गोल्ड मेडल भी शामिल थे, जो किसी भी देश द्वारा एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में इस खेल में जीते गए सबसे अधिक गोल्ड मेडल हैं। ओलंपिक मेडलिस्ट लक्लीना बोरगोहेन ने महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता, जबकि साक्षी चौधरी सबसे बेहतरीन भारतीय मुक्केबाज रहीं। झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर ग्लासगो 2026 में भारत का पहला मेडल जीता। इसके बाद वेटलिफ्टर ऋषिकांत सिंह पुरुषों के 60किग्रा इवेंट में सिल्वर मेडल जीतकर 'एबल-बॉडी' प्रोग्राम में

पोडियम तक पहुंचने वाले पहले भारतीय बने, जबकि मीराबाई चानू ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत का पहला गोल्ड मेडल जीता और कॉमनवेल्थ गेम्स में अपनी खिताबी हैट्रिक पूरी की। जूडो में भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जब अस्मिता डे इस खेल में भारत की पहली कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन बनीं और उसी दिन बाद में हर्ष सिंह भी पोडियम पर पहुंचे। एथलेटिक्स में कई यादगार लम्हे देखने को मिले। गुलवीर सिंह एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में दो व्यक्तिगत मेडल जीतने वाले पहले भारतीय ट्रेक एंड फील्ड एथलीट बने। उन्होंने पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ में सिल्वर और 5000 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल जीता। तेजस्विन शंकर कॉमनवेल्थ गेम्स में डेकाथलॉन मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने, जबकि चोट के कारण बर्मिंघम 2022 में हिस्सा न ले पाने वाले नीरज चोपड़ा ने पुरुषों की जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल जीतकर पोडियम पर वापसी की। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स में अपना अब तक का सबसे अच्छा पैरा-स्पोर्ट्स प्रदर्शन किया और सात मेडल जीते, जिसमें तीन गोल्ड, दो सिल्वर और दो ब्रॉन्ज शामिल थे। इनमें से छह मेडल पैरा-एथलेटिक्स में मिले, जिससे कॉमनवेल्थ गेम्स में पैरा-एथलेटिक्स पोडियम पर भारतीय खिलाड़ियों के पहुंचने का 20 साल का इंतजार खत्म



हुआ। टीम ने पुरुषों की 100 मीटर T47 और पुरुषों व महिलाओं की शॉट पुट F57 इवेंट में तीन बार 'डबल पोडियम' (एक ही इवेंट में दो भारतीय खिलाड़ियों का मेडल जीतना) हासिल किया। ग्लासगो 2026 के बाद, कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के कुल मेडल की संख्या 19 बार की भागीदारी में 603 हो गई है, जिससे भारत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा के बाद गेम्स के इतिहास में चौथा सबसे सफल देश बन गया है।

ANIL SETHI
PATRON

NARENDER KUMAR
CHIEF EDITOR

आप सभी देशवासियों को दिल्ली क्राइम प्रेस परिवार की तरफ से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

मुजफ्फरनगर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक सम्पन्न

मुजफ्फरनगर। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु एवं श्रम बंधु समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इस बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जिले के औद्योगिक विकास और उद्यमियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए। बैठक में जानसठ रोड पर स्थित नैराना विद्युत सब-स्टेशन की लिंक रोड निर्माण और पोल शिफ्टिंग के प्रस्तावों पर चर्चा की गई, जिसके तहत मुख्यालय से मंजूरी मिलते ही कार्य शुरू करने का आश्वासन दिया गया। इसके अलावा, वहलना चौक के पास लिंक रोड निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी होने और जल्द ही कार्यादेश जारी करने की जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को उद्यमियों के साथ नियमित मासिक बैठकें आयोजित करने और



विभाग से संबंधित समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने के निर्देश दिए। लच्छेड़ा स्थित मिल्टैक इंडस्ट्रीज के सामने विद्युत लाइनों को दुरुस्त करने के लिए सर्वे पूरा होने की जानकारी दी गई। धंधेड़ा रोड से इंडस्ट्रीज की ओर जाने वाली सड़क के चिन्हांकन और मैसर्स राधा गोविंद ऑटोमोबाइल्स से संबंधित एनओसी तथा मानचित्र स्वीकृति की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में औद्योगिक संगठनों के निर-

मुख्य मार्गों के सौंदर्यीकरण में एमडीए और नगर पालिका के साथ सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही 'एक जनपद एक व्यंजन' योजना को आगे बढ़ाने और इसमें पात्र आवेदकों के शामिल होने पर जोर दिया गया। श्रम विभाग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए जिलाधिकारी ने न्यूनतम मजदूरी के प्रभावी अनुपालन, बंधुआ मजदूरी की रोकथाम, ईट भट्ठा श्रमिकों की समस्याओं के निर-

ाकरण और ईएसआईसी अस्पताल के लिए भूमि चिन्हांकन को लेकर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग जैस्मीन द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी कंडारकर कमल किशोर देशभूषण, सहायक श्रम आयुक्त देवेश सिंह और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे

रिपोर्ट: निखिल सैनी

बारिश ने खोली बुराड़ी के विकास की पोल: मुख्य सड़क बनी तालाब, जलभराव से थमी रफ्तार, स्कूली बच्चे, राहगीर और वाहन चालक बेहाल



दिल्ली के बुराड़ी क्षेत्र में हुई बारिश के बाद मुख्य सड़क पर भारी जलभराव ने स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। सड़क पर कई जगह पानी भर जाने से पैदल चलने वाले लोगों, स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। छोटे दोपहिया वाहनों का आवागमन लगभग पूरी तरह बंद हो गया, जबकि बड़े वाहनों की रफ्तार भी प्रभावित रही। जलभराव के कारण लोगों को घंटों जाम और असुविधा का सामना करना पड़ा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि हर

बारिश के बाद यही स्थिति बन जाती है, लेकिन स्थायी समाधान अब तक नहीं निकाला गया। सरकार द्वारा अधिकारियों को समय-समय पर सख्त निर्देश दिए जाने के बावजूद हालात में कोई खास सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। लोगों का आरोप है कि विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच बुराड़ी की जनता आज भी बदहाल सड़कों, जलनिकासी की खराब व्यवस्था और राजनीतिक उदासीनता का खामियाजा भुगतने को मजबूर है।

संवाददाता सुहैल अहमद

जनता की आवाज - मीडिया

मीडिया एक दर्पण है जो सच को दिखाता है, समाज में क्या हो रहा है उसे दर्शाता है। सत्य की ताकत जनता की आवाज है मीडिया, जो भी इसके साथ हुआ चढ़ता गया उन्नति की सीढ़ियां। जनता और सरकार को जोड़ने की कड़ी है मीडिया, जनता और सरकार से ही सरोकार है मीडिया। दिल्ली क्राइम प्रेस के साथ आना सौभाग्य है मेरा, आप भी आए तो होगा नित नया सवेरा। दिल्ली क्राइम में आने से मुझ में नया आत्मविश्वास आया है, दिल्ली क्राइम के कार्ड ने असुरक्षा के भय को दूर भगाया है। दिल्ली क्राइम प्रेस से मिलता है पूरा सहयोग, विश्वास करके देखिए मिट जायेंगे सामाजिक रोग। नारी तो परिवार का आधार है मीडिया पॉवर मिले तो और मजबूत होती है, अपनी अलग पहचान के साथ समाज के सशक्तीकरण का कारण होती है। तो साथियों दिल्ली क्राइम के साथ एसोसिएट हो जाइये, और यहां से पैसा-पॉवर के साथ मान-प्रतिष्ठा भी फ्री पाइये। (सुनीता शर्मा BVC158637)



वजीराबाद विलेज एमसीडी प्राइमरी स्कूल का निगम पार्षद प्रोमिला गुप्ता ने किया औचक निरीक्षण, 15 अगस्त तक जल्द 6 कमरे बच्चों के लिए होंगे तैयार

दिल्ली के तिमारपुर वार्ड-11 की निगम पार्षद प्रोमिला गुप्ता ने श-क्रवार को वजीराबाद स्थित एमसीडी प्राइमरी स्कूल का औचक निरीक्षण किया, जहां फिलहाल निर्माण कार्य जारी है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को तय समय सीमा के भीतर काम पूरा करने के निर्देश दिए। पार्षद प्रोमिला गुप्ता ने बताया कि स्कूल का निर्माण कार्य चलने के कारण स्थानीय बच्चों को जगतपुर सहित अन्य स्कूलों में स्थानांतरित किया गया है, जिससे अभिभावकों और विद्यार्थियों को रोजाना आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों



को जल्द से जल्द उनके अपने स्कूल में पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध कराना उनकी

प्राथमिकता है। मौके पर मौजूद परियोजना के खए सूरज ने जानकारी दी कि 15 अगस्त तक

स्कूल के छह कमरे तैयार कर दिए जाएंगे, जिनमें कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों की पढ़ाई शुरू कराई जा सकेगी। उन्होंने बताया कि शेष भवन का निर्माण कार्य इसके बाद भी लगातार जारी रहेगा। खए सूरज ने यह भी बताया कि बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्माणाधीन हिस्से को पूरी तरह बैरिकेडिंग से घेरा जाएगा, ताकि स्कूल संचालन के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना या अनहोनी की संभावना न रहे स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि तय समय पर निर्माण पूरा होने से बच्चों और अभिभावकों को लंबे समय से हो रही परेशानी से राहत मिलेगी। संवाददाता सुहैल अहमद की रिपोर्ट

मुजफ्फरनगर: शाहपुर पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान 6 अंतरजनपदीय शातिर चोर किए गिरफ्तार, दो बदमाश गोली लगने से घायल

मुजफ्फरनगर। जनपद की थाना शाहपुर पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान छह अंतरजनपदीय शातिर चोरों को गिरफ्तार कर ग्राम हरसौली स्थित बैंक में हुई चोरी के प्रयास और विद्युत तार चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश अरविंद और पारुल गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया है, जबकि चार अन्य अभियुक्तों को कॉम्बिंग के दौरान दबोच लिया गया। पुलिस ने बदमाशों के पास से चोरी में इस्तेमाल



छोटा हाथी वाहन, चोरी किया गया करीब 9 कुंतल विद्युत तार,

अवैध असलाह, कारतूस, चाकू और चोरी करने के उपकरण

बरामद किए हैं। एसपी देहात अक्षय संजय महाडीक ने प्रेस

वार्ता कर बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार

वर्मा के पर्यवेक्षण व सीओ बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में शाहपुर पुलिस टीम दिनकरपुर-काकड़ा मार्ग पर चेकिंग कर रही थी, तभी संदिग्ध वाहन सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी।

पुलिस टीम ने अदम्य साहस दिखाते हुए घेराबंदी कर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों का लंबा आपराधिक इतिहास है और उनके खिलाफ अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

— रिपोर्टर: निखिल सैनी

सम्पादकीय, नरेन्द्र कुमार

नशे के विरुद्ध एक अभियान



देश को नक्सलवाद-माओवाद के आतंक से मुक्ति दिलाने के बाद केंद्र सरकार ने दो नये अहम अभियान प्रारंभ किये हैं- पहला, भारत को घुसपैठियों से मुक्त करना और दूसरा, युवाओं को नशे की लत से मुक्ति दिलाना। भारत के किशोरों तथा युवाओं को हर प्रकार के नशे से मुक्ति दिलाने के लिए 2 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी ने हूनशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियानहू का प्रारंभ करते हुए वीडियो संदेश जारी किया है। अपने सन्देश में प्रधानमंत्री ने कहा कि जो युवा नशे से लड़कर बाहर निकलते हैं वे कमजोर नहीं बल्कि असली योद्धा होते हैं। समाज को उनका सम्मान करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं ताकि भारत कभी भी एक सशक्त एवं विकसित देश के रूप में स्थापित न हो सके।

पेड़ लगाने के शोर के बीच रेगिस्तान के चरवाहे की मिसाल: 10,000 हेक्टेयर ओरण बचाकर 5,000 परिवारों की बदली जिंदगी

जैसलमेर के सुमेर सिंह भाटी को अंतरराष्ट्रीय 'रेंजलैंड रेस्टोरेशन अवार्ड 2026'; गोडावण और कैराकल संरक्षण में भी निभाई ऐतिहासिक भूमिका विशेष संवाददाता जैसलमेर (राजस्थान) जहाँ पूरी दुनिया पर्यावरण संरक्षण के नाम पर केवल 'पेड़ लगाने' (प्लांटेशन) की बात करती है, वहीं राजस्थान के थार मरुस्थल से उठे एक पारंपरिक ऊँट पालक ने यह साबित कर दिखाया कि 'घास के मैदानों' (ग्रासलैंड्स) को बचाना भी उतना ही अनिवार्य है। जैसलमेर जिले के देगराय माता क्षेत्र के रहने वाले सुमेर सिंह भाटी ने अपने संघर्ष और दूरदर्शिता के बल पर न केवल 10,000 हेक्टेयर पारंपरिक ओरण भूमि को पुनर्जीवित किया, बल्कि मरुस्थल के पारिस्थितिकी तंत्र (इकोलॉजी) को एक नया जीवन दिया है। उनके इस अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें प्रतिष्ठित 'रेंजलैंड रेस्टोरेशन अवार्ड 2026' से सम्मानित किया गया है। क्या है 'ओरण' और क्यों था संकट? थार के रेगिस्तान में 'ओरण' केवल भूमि का टुकड़ा नहीं, बल्कि सदियों पुरानी परंपरा और आस्था से जुड़ा पवित्र सामुदायिक वन एवं चरागाह क्षेत्र होता है। ओरण न केवल पशुओं के चारे और पेयजल का मुख्य स्रोत हैं, बल्कि ये कार्बन सिक और दुर्लभ वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास भी हैं। हाल के वर्षों में औद्योगिकीकरण, विकास परियोजनाओं और बेतरतीब निर्माण के कारण जब देगराय माता ओरण पर अस्तित्व का संकट मँडराने लगा, तब सुमेर सिंह भाटी ने इसके खिलाफ बिगुल फूँका। "जंगल सिर्फ घने पेड़ों से नहीं बनता। रेगिस्तान की सांसें यहाँ की घास, ओरण और बेजुबान पशुओं में बसती हैं। अगर ओरण खत्म हो गए, तो थार का जीवन ही समाप्त हो जाएगा।" - सुमेर सिंह भाटी 20 गाँवों को जोड़ा, जैसलमेर से जयपुर तक निकाली पदयात्रा ओरण को बचाने के लिए सुमेर सिंह भाटी ने अकेले शुरूआत की, लेकिन



जल्द ही यह एक जन-आंदोलन बन गया: जन-जागरण: उन्होंने क्षेत्र के 20 से अधिक गाँवों के ग्रामीणों और पशुपालकों को एकजुट किया। 'ओरण बचाओ पदयात्रा': सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए उन्होंने जैसलमेर से राजधानी जयपुर तक सैकड़ों किलोमीटर लंबी ऐतिहासिक पदयात्रा का नेतृत्व किया। पुनरुद्धार: कानूनी और सामाजिक संघर्ष के बल पर 10,000 हेक्टेयर चरागाह भूमि का संरक्षण सुनिश्चित कराया, जिससे स्थानीय घास की प्रजातियाँ और पारंपरिक जलस्रोत (बेरियों व नाडियों) फिर से जीवित हो उठे। एक नजर में: आंदोलन का प्रभाव पर्यावरण व वन्यजीव संरक्षण में भी मिसाल सुमेर सिंह भाटी का योगदान केवल चरागाह बचाने तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने थार के संकटग्रस्त वन्यजीवों के लिए भी राष्ट्रीय स्तर पर आवाज उठाई: गोडावण (Great Indian Bustard) की रक्षा: हाई-टेंशन ओवरहेड बिजली लाइनों से टकराकर होने वाली गंभीर रूप से लुप्तप्राय राष्ट्र-पक्षी गोडावण की मौतों पर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया और अंडरग्राउंड केबलिंग की मांग उठाई। दुर्लभ कैराकल का दस्तावेजीकरण: जैसलमेर के बीहड़ों में अत्यंत दुर्लभ और शमीलें 'एशियाई कैराकल' (सियागोश) की मौजूदगी को दर्ज व प्रलेखित (document) करने में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक भूमिका निभाई। पर्यावरण जगत में हर्ष की लहर वर्ष 2026 का 'रेंजलैंड रेस्टोरेशन अवार्ड' मिलने से पूरे राजस्थान और पर्यावरण जगत में खुशी की लहर है। विशेषज्ञों का मानना है कि सुमेर सिंह भाटी का यह मॉडल दुनिया भर के शुष्क क्षेत्रों और चरागाहों के संरक्षण के लिए एक मार्गदर्शक साबित होगा।

देहरादून के उस कमरे से सिलिकॉन वैली तक: जानिए 'फाइबर ऑफ फाइबर ऑप्टिक्स' नरिंदर सिंह कपानी की अनकही दास्तान

शिक्षक के एक दावे को चुनौती देकर बदला दुनिया का इतिहास; जिसके दम पर आज चल रहा है इंटरनेट, उसी महानायक को नोबेल पुरस्कार में कर दिया गया दरकिनार विशेष रिपोर्ट नई दिल्ली देहरादून के एक स्कूल के क्लासरूम में शिक्षक ने ब्लैकबोर्ड पर लिखते हुए बड़े आत्मविश्वास से कहा- "प्रकाश केवल सीधी रेखाओं में चलता है।" क्लास में बैठे एक युवा छात्र के मन में इस बात ने एक अजीब सी हलचल पैदा कर दी। उस लड़के ने इस दावे को सच मानने के बजाय अपनी जिंदगी के अगले चालीस साल 'प्रकाश को मोड़ने' के प्रयोगों में गुजार दिए। आज जिस तेज तर्रार इंटरनेट पर पूरी दुनिया दौड़ रही है, मेडिकल साइंस में जो एंडोस्कोपी और लेजर सर्जरी हो रही है-उसकी नींव उसी छात्र ने रखी थी। उस महान दूरदर्शी वैज्ञानिक का नाम था डॉ. नरिंदर सिंह कपानी। पंजाब से लंदन तक का ऐतिहासिक सफर 1926 में पंजाब के मोगा जिले में जन्मे नरिंदर सिंह कपानी की शुरुआती पढ़ाई देहरादून में हुई। आगरा यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन पूरा करने के बाद उन्होंने भारतीय आयुध कारखानों (Indian Ordnance Factories) में अधिकारी के रूप में काम किया।

विज्ञान के प्रति उनके जुनून ने उन्हें 1952 में प्रतिष्ठित इंपीरियल कॉलेज लंदन पहुँचा दिया। वहाँ प्रोफेसर हेरोल्ड हॉपकिंस के साथ मिलकर उन्होंने वह कारनामा कर दिखाया, जो इससे पहले इतिहास में कभी नहीं हुआ था: काँच के रेशों का जादू: उन्होंने काँच के पतले-पतले रेशों (ग्लास फाइबर) को एक साथ बाँधा और उनके माध्यम से प्रकाश और एकदम साफ इमेज (चित्र) को मोड़कर, कोनों के पार सफलतापूर्वक भेज दिया। 'फाइबर ऑप्टिक्स' का जन्म: वर्ष 1960 में दुनिया की मशहूर पत्रिका Scientific American में लिखे अपने एक लेख में उन्होंने पहली बार इस तकनीक को 'फाइबर ऑप्टिक्स' नाम दिया। आज समुद्र के नीचे बिछे लाखों किलोमीटर लंबे इंटरनेट केबल से लेकर पेट की जाँच करने वाली एंडोस्कोपी मशीनें तक, सब कपानी के इसी आविष्कार पर टिकी हैं। "जब मैंने अपने टीचर से पूछा कि क्या प्रकाश को मोड़ा नहीं जा सकता? तो उन्होंने इसे असंभव बताया। बस वही असंभव शब्द मेरे दिल में घर कर गया।" - डॉ. नरिंदर सिंह कपानी (एक पुराने साक्षात्कार में) नेहरू का न्योता और सिलिकॉन वैली में भारत का डंका कपानी की प्रतिभा से प्रभावित होकर भारत के



तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू उन्हें वापस देश बुलाकर रक्षा मंत्रालय में मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार बनाना चाहते थे। हालाँकि, अपनी शोध यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए वे अमेरिका चले गए। सिलिकॉन वैली में जब भारतीय उद्यमियों की मौजूदगी न के बराबर थी, तब 1960 के दशक में कपानी ने 'ऑप्टिक्स टेक्नोलॉजी कॉर्पोरेशन' नामक कंपनी बनाई और 1967 में इसे पब्लिक (IPO) किया। 100 से भी अधिक अंतरराष्ट्रीय पेटेंट अपने नाम करने वाले कपानी सिलिकॉन वैली में इस ऊँचाई तक पहुँचने वाले पहले भारतीय वैज्ञानिकों में से एक बने। नोबेल पुरस्कार का विवाद: क्या कपानी के साथ अन्याय हुआ? वर्ष 2009 में जब फिजिक्स (भौतिकी) का नोबेल पुरस्कार 'काँच के फाइबर से प्रकाश के ट्रांसमिशन' की खोज के लिए दिया गया, तो पूरी दुनिया को उम्मीद थी कि डॉ. कपानी का नाम इसमें सबसे

ऊपर होगा। लेकिन यह पुरस्कार वैज्ञानिक चार्ल्स काओ को मिला, जिन्होंने काँच की अशुद्धियों को दूर करने पर काम किया था। नोबेल समिति के इस फैसले ने विज्ञान जगत को हैरान कर दिया: वैज्ञानिकों में बहस: भौतिकी के जानकारों के बीच आज भी यह गंभीर विवाद का विषय है कि क्या नरिंदर सिंह कपानी को चार्ल्स काओ के साथ नोबेल पुरस्कार साझा नहीं मिलना चाहिए था? अनसंग हीरो: नोबेल समिति ने भले ही उनके नाम को नजरअंदाज कर दिया हो, लेकिन मशहूर Fortune मैगजीन ने 1999 में ही उन्हें बीसवीं सदी के 'सात अनसंग हीरोज' (Unsung Heroes of the Century) में शामिल कर लिया था। 2020 में कैलिफोर्निया में 94 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। इसके अमले ही साल भारत सरकार ने इस महान सपूत को देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'पद्म विभूषण' से मरणोपरांत सम्मानित किया। नोबेल भले ही उनके खाते में न आया हो, लेकिन जब-जब इंटरनेट पर एक क्लिक से दुनिया के दूसरे कोने में डेटा पहुँचेगा, तब-तब इतिहास देहरादून के उस जिद्दी बालक नरिंदर सिंह कपानी का हमेशा ऋणी रहेगा।

10 साल के बच्चे के अनूठे प्रयोग ने विज्ञान जगत को किया हैरान: साबित किया-वंशानुगत भी हो सकती हैं यादें कोबे (जापान) के जो नागाई ने तितलियों पर शोध कर रच डाला इतिहास; कैटरपिलर की सीखी हुई बात उनकी अगली पीढ़ियों तक पहुँची, एंटोमोलॉजी कांग्रेस में 33 पन्नों का पेपर

10 साल के बच्चे के अनूठे प्रयोग ने विज्ञान जगत को किया हैरान: साबित किया-वंशानुगत भी हो सकती हैं यादें कोबे (जापान) के जो नागाई ने तितलियों पर शोध कर रच डाला इतिहास; कैटरपिलर की सीखी हुई बात उनकी अगली पीढ़ियों तक पहुँची, एंटोमोलॉजी कांग्रेस में 33 पन्नों का पेपर प्रस्तुत विशेष रिपोर्ट टोक्यो क्या किसी जीव का सीखा हुआ अनुभव या उसकी यादें बिना किसी डीएनए बदलाव के उसकी अगली पीढ़ियों में स्थानांतरित (इन्हेरिट) हो सकती हैं? पारंपरिक आनुवंशिकी (जेनेटिक्स) के नियम भले ही इस पर सवाल उठाएं, लेकिन जापान के एक 10 वर्षीय बच्चे की सहज जिज्ञासा ने इस वैज्ञानिक धारणा को हिलाकर रख दिया है। जापान के कोबे शहर के रहने वाले दूसरी कक्षा के छात्र जो नागाई (Jo Nagai) के एक अनूठे प्रयोग ने दुनिया भर के वैज्ञानिकों को यह मानने पर मजबूर कर दिया है कि यादें भी वंशानुगत हो सकती हैं। तितलियों के व्यवहार से शुरू हुई जिज्ञासा कहानी तब शुरू हुई जब जो नागाई ने घर में अपने



हाथों से पाले गए 'स्वेलोटेल' (Swallowtail) तितलियों के व्यवहार में एक अजीब बात देखी। जंगली तितलियाँ इंसानों को देखते ही उड़ जाती थींलेकिन उनके द्वारा पाली गई तितलियाँ बिना डरे उनके पास आ जाती थीं और उन्हें पहचानती प्रतीत होती थीं। इस बात के पीछे का वैज्ञानिक सच जानने के लिए जो ने जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी (अमेरिका) की प्रसिद्ध कीट विज्ञानी (एंटोमोलॉजिस्ट) डॉ. मार्था वाइस से संपर्क किया। डॉ. वाइस पहले ही अपने शोध में यह दिखा चुकी थीं कि पतंगे (मॉथ) कायांतरण (मेटामॉर्फोसिस) के दौरान होने वाले भारी कोशिकीय बदलावों के बावजूद अपनी पुरानी यादें बनाए रखते हैं। डॉ. वाइस के शोध से प्रेरित होकर 10 साल के जो ने तितलियों पर एक नया प्रयोग करने का सुझाव

दिया, जिसने आगे चलकर एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग का रूप ले लिया। घर के बने सेटअप से किया हैरान करने वाला प्रयोग जो नागाई ने अपने घर पर ही एक बेहद साधारण सा वैज्ञानिक सेटअप तैयार किया: कैटरपिलर को दी ट्रेनिंग: उन्होंने कैटरपिलर (इल्ली) को लैवेंडर की गंध के साथ एक हल्की कंपन (वाइब्रेशन) को जोड़ना सिखाया। कायांतरण के बाद भी याद रही बात: प्यूपा (क्रिसलिस) के भीतर दिमाग के पूरी तरह पुनर्गठित होने के बावजूद, वयस्क बनी 70% तितलियों ने लैवेंडर की गंध से दूरी बनाए रखी। इससे साबित हुआ कि परिवर्तन के बाद भी उनकी यादें मिटी नहीं थीं। "यह बेहद अद्भुत था। प्यूपा के अंदर सब कुछ पूरी तरह बदल जाने के बावजूद, तितलियों को अपने कैटरपिलर रूप में सीखा हुआ सबक अच्छी तरह याद था।" - डॉ. मार्था वाइस, कीट विज्ञानी सबसे चौंकाने वाला परिणाम: अगली पीढ़ियों में पहुँचीं यादें प्रयोग का सबसे क्रांतिकारी मोड़ तब आया जब जो ने इन प्रशिक्षित तितलियों का प्रजनन (ब्रीडिंग) कराया। हैरान करने

वाली बात यह रही कि उनकी संतानों (बच्चों) और यहाँ तक कि पोते-पोतियों (Grandchildren) ने भी लैवेंडर की गंध से दूरी बनाई, जबकि उन्होंने अपने जीवन में कभी भी उस कंपन का अनुभव नहीं किया था। बिना किसी प्रशिक्षण के, लैवेंडर की गंध के प्रति यह डर उनमें प्राकृतिक रूप से मौजूद था। विज्ञान के नए क्षितिज महज दस साल की उम्र में जो नागाई ने अपने इस क्रांतिकारी अवलोकन को 33 पन्नों के शोध पत्र (Research Paper) में ढाला। उन्होंने कोबे में आयोजित 'इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ एंटोमोलॉजी' में डॉ. वाइस के साथ मंच साझा करते हुए दुनिया भर के दिग्गजों के सामने अपना यह पेपर प्रस्तुत किया। 'ट्रांसजैनेरेशनल मेमोरी' (पीढ़ी-दर-पीढ़ी यादों के हस्तांतरण) की यह खोज आनुवंशिकी के पारंपरिक विचारों को सीधी चुनौती देती है। इस बच्चे की जिज्ञासा ने यह साबित कर दिया कि वैज्ञानिक खोजों की कोई उम्र नहीं होती और एक छोटा सा सवाल भी आधुनिक विज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ा सकता है।

Helpline No. 7982654944



ABHISHEK KUMAR
DELHI STATE HEAD



DELHI CRIME
WA
BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA NATIONAL NGO
भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे बुलंद आवाज़

NITII AAYOG DARPAN REGN. NO. DL/2020/0260865 REGN. NO. S/RS/DW(SW)/1646/2019

C-1/511, NEW YADAV ENCLAVE, PREM NAGAR-3, NEAR CHAUDHARY BALDEV SINGH MODEL SCHOOL, DELHI-110086



गुरुग्राम ब्रांच ऑफिस में ग्रेट लीडर अजय कुमार और राज सिंह को दिल्ली क्राइम का न्यूज पेपर देकर सम्मानित किया गया



दिल्ली क्राइम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा राष्ट्रीय समाचार पत्र के रिपोर्टर एवं एरिया एडवाइजर शाहिद हसन



ए.पी.रेजीडेंसी होटल के मालिक संजय गोयल के साथ मीटिंग के कुछ पल



दिल्ली क्राइम प्रेस टीम ने बढ़ाया यातायात पुलिस अधिकारियों का मान,जांबाज पुलिस जवानों को किया सम्मानित



बंगाल के बिभिन्न जिलों में दिल्ली क्राइम प्रेस की टीम लगातार कार्य कर रही हैं देश हित में और राष्ट्र हित में दिल्ली क्राइम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा का जो मुख्य कार्य हैं - भ्रष्टाचार मुक्त भारत के सपने को आगे ले जाने का जिम्मा बंगाल में रिपोर्टर रौशन मिश्रा एवं उनकी टीम ने उठाया हैं लगातार शासन - प्रशासन से मिलकर अपने मुहीम की जानकारी एवं लोगो की सहायता कर रहे हैं



दिल्ली क्राइम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा राष्ट्रीय समाचार पत्र के न्यूज सपोर्टर मुजम्मिल अंसारी



गुरुग्राम ब्रांच ऑफिस में पणू कुमार जी और शम्भू प्रसाद जी को दिल्ली क्राइम की न्यूज पेपर देकर सम्मानित किया गया



गुरुग्राम ब्रांच ऑफिस में ग्रेट लीडर महेन्द्र कुमार जी को उनकी टीम की किट देकर सम्मानित किया गया



गुरुग्राम ब्रांच ऑफिस में ग्रेट लीडर अंकुर पाण्डेय जी और उनकी वाइफ पूजा मिश्रा जी को उनका कार्ड देकर सम्मानित किया गया



मुजफ्फरनगर सीएमओ को दिल्ली क्राइम प्रेस का न्यूजपेपर देते हुए न्यूज रिपोर्टर निखिल सैनी



दिल्ली क्राइम की ग्रेट लीडर नीलम गुप्ता अपनी टीम डॉ सुमन कुमार जी,श्रीमति सिमी खेतपाल जी और नेहा शर्मा के साथ



कुशीनगर आर.टी.ओ डा.दिलीप कुमार गुप्ता को आर एन सिंह, महमूद आलम, राज हुसैन ने मुलाकात कर दिल्ली क्राइम प्रेस और एन.जी.ओ की जानकारी दी और अखबार देते हुए शिष्टाचार मुलाकात की



बिहार पश्चिमी चंपारण के चीउटहाँ थाना प्रभारी श्रीभान सिंह को दिल्ली क्राइम प्रेस के टीम के हरिद्र शर्मा, मृत्युंजय पणू कुमार यादव,आर एन सिंह,अनूप कुमार जायसवाल ने प्रेस और एन.जी.ओ के बारे में जानकारी दी और अखबार देते हुए शिष्टाचार मुलाकात की

दिल्ली क्राइम के लीडर का हल्ला बोल BLAST 4th SUCCESS SEMINAR शानदार तरीके से संपन्न हुआ



दिल्ली क्राइम के शानदार 4th SUCCESS SEMINAR में दिल्ली क्राइम के लीडर ने सिर्फ दिल्ली ही नहीं बल्कि गाज़ियाबाद, लोनी बोर्डर, मोदीनगर, मेरठ, मुजफ्फर नगर, नजफगढ़, तक से नए रैंक अचीवर नए पाठक और मेहमानों का आगमन रहा सब ने अपने अपने विचार सांझा किये इस शानदार सेमिनार में इस बार दिल्ली क्राइम की महिलाओं का शानदार हल्ला बोल रहा है इन सभी महिला लीडर ने दिखा दिया की हम भी किसी से किसी भी तरह कम नहीं है जो की आने वाले समय में अपने काम के दम से अपना नाम बना डालेगी कुल

मिलाकर यह सेमिनार बहुत ही बढ़िया और बेमिसाल रहा है इस सेमिनार की विशेषता यह रही कि इस सेमिनार में पुराने लीडर्स के स्थान पर नये लीडर्स तथा मेहमानों की आमद पर अधिक जोर दिया गया था और कहने की आवश्यकता नहीं है कि नये लीडर्स के साथ नये चेहरे भी अच्छी खासी संख्या में उपस्थित थे। दिल्ली क्राइम प्रैस के साथ एसोसिएट हुए वकीलों ने भी इस सेमिनार में भाग लिया तथा सेमिनार की शोभा में चार चांद लगाये। मीटिंग के समापन से पूर्व टीम लीडर्स ने अपनी-अपनी टीम के नये सदस्यों के कार्ड व किट आदि

सम्मान सहित सौंप दिए तथा दिल्ली क्राइम प्रैस द्वारा 'टारगेट अचीवर्स' को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस मीटिंग में, सभी नये व पुराने लीडर्स ने, स्वयं को एक अलग रूप में प्रस्तुत किया तथा सभी वक्ताओं के जोश पूर्ण वक्तव्य इस का प्रमाण थे कि अब दिल्ली क्राइम प्रैस के सभी लीडर्स ऊजावान हो कर अपने पूरे जोश में आ चुके हैं जिसके परिणामस्वरूप लीडर्स का उपस्थित जनसमूह ने न केवल हर्षोल्लास से करतल ध्वनि से मनोबल बढ़ाया बल्कि लीडर्स ने भी अपने सपनों को उड़ान देने में कोई कोर-क

दिल्ली क्राइम के गुरुग्राम ब्रांच ऑफिस में अनिल सेठी जी ने लीडर्स को दी विशेष व दमदार ट्रेनिंग

रविवार 2 अगस्त को दिल्ली क्राइम के गुरुग्राम ब्रांच ऑफिस में दिल्ली क्राइम प्रैस के मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल सेठी सर की अध्यक्षता में, दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक, एक विशेष मीटिंग आयोजित की गई। जिस में अशोक कुमार टीम के चुनिंदा कार्यकर्ताओं को ही आमंत्रित किया गया था। इस मीटिंग के द्वारा अनिल सेठी सर ने नये व पुराने लीडर्स को न केवल कम समय व कम मेहनत में, दिल्ली क्राइम के प्लान्स का अधिकतम लाभ लेने के गुर बताए बल्कि दिल्ली क्राइम के प्रैस कार्ड का समुचित लाभ कहां व किन विशेष परिस्थितियों में, बेहतर उठाया जा सकता है, इस पर भी प्रकाश डाला। इसके साथ ही अपने-अपने क्षेत्र में, अपनी गतिविधियों को बढ़ाने पर भी जोर दिया। समय और कैलेंडर इस विशेष मीटिंग की विशेषता जहां एक ओर अनिल सर की मीटिंग थी तो दूसरी ओर यह भी रही कि दिल्ली क्राइम से इतर कार्यरत पुराने लीडर भी आए और दिल्ली क्राइम प्रैस में पहले के समान फिर से एक्टिव होने का संकल्प दोहराया। मीटिंग में नेशनल ट्रेनर अशोक कुमार के अलावा सह-कार्यकारी संपादक दिनेश शर्मा, मीडिया एसोसिएट व पत्रकार पप्पू कुमार व शंभू प्रसाद तथा मीडिया एसोसिएट मोनू चोपड़ा, राजीव सैदा, छोटू, अमर सिंह थापा, रविन्द्र, मार्कण्डेय झा, लक्ष्य, राम



चन्द जी, कैलाश तंती, सुनीता शर्मा, अनिता भोज, किरण बाला व ज्योति ने भाग लिया। अनिल सर ने मीटिंग के समापन से पूर्व, अशोक कुमार ने अनिल सेठी सर को उनकी शीशे के फ्रेम में जड़ी फोटो दे कर अपनी टीम की ओर से सम्मानित किया। अनिल सर ने उपस्थित लीडर्स की शंक-

ओं का समाधान किया। सभी लीडर्स ने उनके साथ अपनी-अपनी फोटो खिंचवाकर, स्वयं को गौरवान्वित अनुभव किया। तत्पश्चात हल्के जलपान के बाद सभी लीडर्स ने अपने-अपने घर की ओर प्रस्थान किया। (दिनेश शर्मा/गुरुग्राम/दिल्ली क्राइम प्रैस)

दिल्ली लक्ष्मी योजना को लेकर महिलाओं में उत्साह, 4,700 से ज्यादा आवेदन स्वीकार



उत्तरी दिल्ली की बादली विधानसभा स्थित भलस्वा जेजे कॉलोनी की सरकारी डिस्पेंसरी इन दिनों बदहाली का सामना कर रही है। मरीज इलाज की उम्मीद लेकर यहां पहुंचते हैं, लेकिन परिसर में फैली गंदगी और जलभराव उनकी परेशानी बढ़ा रहा है। डिस्पेंसरी फिलहाल टीन के अस्थायी ढांचे में संचालित हो रही है। कहीं टूटी छत और कुर्सियां नजर आती हैं तो कहीं दीवारों पर अव्यवस्थित तरीके से लगे बोर्ड सबसे गंभीर समस्या परिसर के आसपास जमा नालियों का गंदा और बदबूदार पानी है। मानसून के दौरान जलभराव से मच्छर और संक्रमण का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि डिस्पेंसरी लंबे समय से इसी स्थिति में है और इसके उचित जीर्णोद्धार की ओर ध्यान नहीं दिया गया। हालांकि यहां स्टाफ मौजूद है और मरीजों को दवाइयां मिल रही हैं, लेकिन स्वास्थ्य केंद्र की बुनियादी व्यवस्था सवाल के घेरे में है। **संवाददाता सुहैल अहमद दिल्ली**

अशोक कुमार टीम का पहला बहुरंगी 'सक्सेस सेमिनार'

12 जुलाई/नवादा, दिल्ली : ज्ञात रहे कि 9 अप्रैल 2026 को दिल्ली क्राइम प्रैस के 'पाठक प्रोत्साहन योजना' के सफलता पूर्वक 10 वर्ष पूर्ण होने पर प्रत्येक माह 'सक्सेस सेमिनार' निरंतर आयोजित किये जा रहे हैं। दिल्ली क्राइम प्रैस ने इस बार दिल्ली क्राइम प्रैस के जाने-माने लीडर व 'नेशनल ट्रेनर' अशोक कुमार को अपनी टीम के साथ, स्वतंत्र रूप से सेमिनार करने की अनुमति दे दी। कार्यक्रम का शुभारंभ दिल्ली क्राइम की पुरानी सदस्या अंजली अरोड़ा के द्वारा उपस्थित लोगों के स्वागत भाषण तथा मीटिंग के दिशा-निर्देश देने के साथ हुई। इस के पश्चात दिनेश शर्मा ने, उपस्थित समुदाय को, लैपटॉप के स्लाइड्स के माध्यम से, "दिल्ली क्राइम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा" समाचार पत्र की नीतियों, कार्यप्रणाली तथा अवधारणा पर संक्षेप में बताया तो अशोक कुमार ने तीनों प्लान्स के माध्यम से अतिरिक्त पैसा कमाने के विषय में बताया तो उपस्थित लोगों की करतल ध्वनि इसका द्योतक थी कि सभी को तीनों प्लान्स पसंद भी आए और समझ भी आए। इस सेमिनार की विशेषता यह रही कि वर्षों पुराने वे लीडर्स, जिन्होंने दिल्ली क्राइम में एक विशिष्ट रैंक हासिल किया था परंतु अपने किसी कारण से सक्रिय नहीं रह पाए, वे भी इस



सेमिनार में उपस्थित हुए सभी अचीवर्स को उनकी विशेष उपलब्धियों पर ए डी ए टीम (अशोक-दिनेश-अनिता) द्वारा पुरिस्कृत किया गया तथा नए सदस्यों को दिल्ली क्राइम की किट दे कर व कार्ड पहना कर

सम्मानित किया गया व फोटो खिंची गई। मीटिंग के समापन पर सभी महिला व पुरुष सदस्यों की ग्रुप फोटो तथा सम्मिलित नृत्य कार्यक्रम के बाद सेमिनार का समापन कर दिया गया। (दिनेश शर्मा/ दिल्ली क्राइम प्रैस)

गुरुग्राम में GPL क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल आयोजन

गुरुग्राम के मानेसर के सिल्वर हिल्स ग्राउंड में 30 जून 2026 से 11 जुलाई 2026 तक चले GPL सीजन 2 टूर्नामेंट में कुल 10 टीमों, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, जम्मू वारियर, राजस्थान, गुजरात, यू पी, कोलकाता, मुंबई इंडियन्स और एम पी, ने हिस्सा लिया। गौरतलब यह रहा कि ये मैच 20-20 ओवर के स्थान पर 15-15 ओवर के थे और इसमें क्रिकेट के सभी मैच सॉफ्ट टेनिस बाल से हुए सभी मैच शनिवार और रविवार को हुए। सभी मैच बहुत रोमांचक रहे। फाइनल में पंजाब किंग्स और कोलकाता की टीमों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें विजेता पंजाब किंग्स टीम रही। पंजाब टीम में



दिल्ली क्राइम प्रैस के तेज-तर्रार लीडर व पत्रकार अशोक कुमार

भी थे, जिनका नाम टीम में रिकू था तथा भूमिका बैट्समैन की थी,

जिसका अशोक कुमार ने अच्छी तरह से निर्वहन किया तथा अपनी

टीम के स्कोर को और बेहतर बनाने में अपना पूरा योगदान

दिया। पंजाब टीम के कप्तान का नाम संदीप था तथा पूरे समारोह का आयोजन रिककी साहू जी ने किया था जो आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है खिलाड़ियों को हमेशा आगे ले जाने में उनको सपोर्ट करते रहते हैं विजेता टीम को पुरस्कार राशि ₹71000 और विजेता ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को पुरस्कार राशि ₹41000 तथा उपविजेता ट्रॉफी दी गई। दोनों टीमों ने पुरस्कार राशि में से 15% अपनी टीम के कप्तान को और शेष राशि अपनी-अपनी टीम के शेष 14 सदस्यों में समान रूप से वितरित कर दी। (अशोक कुमार/गुरुग्राम/दिल्ली क्राइम प्रैस)

बुराड़ी पुलिस की बड़ी कामयाबी: 24 घंटे में सुलझाया अपहरण और 1.20 करोड़ की फिरौती का मामला, 7 आरोपी गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस की बुराड़ी थाना टीम ने फिरौती के लिए किए गए अपहरण के सनसनीखेज मामले का 24 घंटे के भीतर पदार्पण करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार कर पीड़ित राजन रंजन मिश्रा को सकुशल बरामद कर लिया। राजन 23 जुलाई को मथुरा में नौकरी दिलाने से जुड़े धोखाधड़ी के एक मामले की कोर्ट सुनवाई में गए थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। इसके बाद उनकी पत्नी अर्चना मिश्रा को राजन के मोबाइल से व्हाट्सएप कॉल कर 1.20 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई। आरोपियों के निर्देश पर परिवार ने 80 हजार रुपये नकद कार में रखकर द्वारका के यशोभूमि मेट्रो स्टेशन पर पहुंचवाए, लेकिन इसके बाद भी पीड़ित को रिहा नहीं किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए



SHO इंस्पेक्टर गिरीश चंद्र रतूड़ी के नेतृत्व में इंस्पेक्टर जसपाल सिंह, एसआई राहुल, एसआई

सुधीर, एसआई सुमित, हेड कांस्टेबल पुनीत, सुरेंद्र, प्रदीप, रह-ीश, पवन, अमरजीत, कमलेश

और आशुतोष की टीम का गठन किया गया। ACP शशिकांत गौर की निगरानी में तकनीकी सर्विलांस,

सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस ने गुरुग्राम और मथुरा में लगातार

छापेमारी की। अंततः वृंदावन के गोपालगढ़ क्षेत्र से पीड़ित को मुक्त कराकर संतोष, आर. गुणशेखर, केसवन, पी. अरुण, विनोद, रोहन और गजराज को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने वर्ष 2022-23 में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर राजन रंजन मिश्रा को लाखों रुपये दिए थे। नौकरी और पैसा वापस न मिलने से नाराज होकर उन्होंने कोर्ट के बाहर से राजन का अपहरण कर लिया और फिरौती मांगनी शुरू कर दी। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल दो कारें, पी-डिट का मोबाइल फोन, सिम कार्ड और एटीएम कार्ड भी बरामद किया है। मामले में फरार आरोपी बालाजी समेत अन्य साथियों की तलाश जारी है।

(संवाददाता सुहैल अहमद

हमारे नए अचीवर



राम नरेश सिंह
न्यूज सपोर्टर



डॉ.ए.पुथिया सेल्वम
न्यूज सपोर्टर



अश्वनी कुमार आर्य
न्यूज सपोर्टर



धनसुखभाई जी पटेल
न्यूज सपोर्टर



राजेश जेम्स
न्यूज सपोर्टर



संजय गोयल
न्यूज सपोर्टर



नाहिद मुजम्मिल
न्यूज सपोर्टर



कामिल राणा
न्यूज सपोर्टर



विनोद कुमार
न्यूज सपोर्टर



मोहम्मद यूनुस
न्यूज सपोर्टर



आइशा
एरिया एडवाइजर



ज्योति
जोनल एडवाइजर

Vineet Gupta
(Contact Person) 9718-245-837

LAXMI E-DOCUMENTS CENTRE

हर दस्तावेज आसान E-Stamp Paper Available

Deals in : ALL KINDS OF DOCUMENTATION in SALE DEED, GIFT DEED, WILL DEED, RENT DEED, GPA, AGREEMENTS, AFFIDAVIT, UNDERTAKINGS, HOUSE TAX ETC.

A-1/3, Main Pusta Road, West Karawal Nagar, Delhi-94

E-Mail : vineetgupta8331@gmail.com

SV BITES
Food that Makes You Go "Wow!"

FOR ORDERS 7838531723

WE ARE ACCEPTING ORDER FOR YOUR SPECIAL OCCASION

- Birthday Parties
- Office Events
- Family Functions
- Kitty Parties
- Small Gatherings
- Celebrations & More

WE ARE ALSO SPECIALIZED IN GYM RELATED DIET FOODS

HEALTHY FOOD BETTER YOU!

Great Food. Great Taste. Guaranteed "Wow!"

ADDEX™
COLOUR MASTER BATCH
ADDEX COLOURS PVT. LTD.

यहाँ पर सभी प्रकार के कलर मास्टर बैच मिलते हैं!

QUALITY COLOURS. TRUSTED BY INDUSTRIES.

ABHISHEK KUMAR
9319160619

Shop No.39, Ground Floor, Hathi Khana, Bahadurgarh Road, Near:- Azad Market, Delhi-110006

VEER JI®
MALAI CHAAP WALE

227, POCKET - E-20, SECTOR-3, ROHINI, DELHI-110085

A K TOURS & TRAVELS
YOUR TRUSTED TRAVEL PARTNER

Ankit Budhija
Travel Consultant

+91 98919 60546
deals@aktours.in
Shivpur, Gurgaon, 122001

OUR SERVICES

- Flight Tickets (Domestic & International)
- Hotel Bookings
- Domestic Tour Packages
- Honeymoon Packages
- Family Vacations
- Group Tours
- Visa Assistance

FLIGHT TICKETS Domestic & International

HONEYMOON PACKAGES Make Memories Together

HOTEL BOOKINGS Comfortable Stays

GROUP TOURS Travel Together. Enjoy More

DOMESTIC TOUR PACKAGES Explore Incredible India

VISA ASSISTANCE Hassle-Free Support

Call : 98919 60546 Shivpur, Gurgaon, 122001

D S ENTERPRISES
Deals In: All Kinds Of (Tin Shed) Fabrication & All Related Works
Contact Us: +91 98375 11766

BVC234505

S.N. TIWARI
SALES MANAGER

LATTEYS
Non Stop Watering
PUMPS | MOTORS

+91 83770 83319
info@latteysindustries.com
www.latteysindustries.com
LATTEYS INDUSTRIES LIMITED
T-104, Gall No1, Shivaji Nagar Narela Delhi- 110040
Plot No. 16, Phase 1/2, GIDC Estate Naroda, Ahmedabad-382330, Gujarat

OFFICES: AHMEDABAD | BHUBANESHWAR | DELHI | KANPUR
PATNA | PUNE | RANCHI | INDORE | SECUNDERABAD

Sanjay Goyal
+91-93198-56700

HOTEL A.P. RESIDENCY
Rooms Available For Daily-Weekly & Monthly Basis

H. No. 574, SEC-23, GURGAON - 122017 (HARYANA)

E-mail : apresidency1@gmail.com

दिल्लीजन
NORTH INDIAN & MUGHLAI CUISINES

TASTE JO DIL JEET LE!

DILLIJAN RESTAURANT
NFC

NEAR DOMINO'S, SURYA HOTEL, NFC

Authentic Taste | Premium Quality | Best Service

CHICKEN BARRA BUTTER CHICKEN TANDOORI CHICKEN CHICKEN SEEKH KABAB CHICKEN BIRYANI

Shop 60 & 61, Ground Floor, Trimurti Building, The India Mall, New Friends Colony Delhi - 110025
9899897570, 9266622216

7217829578

Shalini Gupta
9971186272

Spiritual Soul Tour & Travel

CD-233, Vishakha Enclave, Pitam Pura, Delhi-110034

अत्याधुनिक सुविधाओं एवं सुव्यवस्थित तरीके से सम्पूर्ण भारत में हमारे द्वारा आयोजित तीर्थ यात्राओं का आनंद उठाये और जानिए हिन्दू धर्म व संस्कृति के बारे में विस्तृत जानकारीयाँ।

अभिषेक कुमार 7982654944

आशीष कुमार 7011907503

अनन्या प्लास्टिक प्रोडक्ट्स

स्पे0- खिलोने एवम् घरेलु सामान

हम सभी प्रकार के प्लास्टिक प्रोडक्ट्स में डील करते हैं!

प्लॉट नं 41 & 42 खसरा नं 11/23 & 11/24, फर्स्ट फ्लोर, 66 फुट रोड, अम्बे गार्डन, लिबासपुर, दिल्ली - 110042

थोक विक्रेता थोक विक्रेता 9560458898 M. 9210658698

GUPTA ENTERPRISES

All Type Of Spare Parts : Refrigerator, Washing Machine, AC Gas, Gas Geyser

H. No 28/14, A-Block, Gall No. 4, Main Kali Ghata Pusta Road Near Garib Khana Dhaba, Karawal Nagar Delhi-04

Jinal Textile

Vaibhav 9604872776

Wholesale Suppliers :
Kurti, Bottom wear, Western, Outfits, Readymade & Exclusive Dress

Shop No.217/218, Upper Floor, Tara Mall, Raviwar Peth, Pune - 411002.

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक - नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक अनिल सेठी

सह कार्यकारी - संपादक दिनेश शर्मा

हमारे स्वतंत्र व सत्यापित रिपोर्टर

राजकुमार कश्यप	(दिल्ली)
मुकेश गुप्ता	(दिल्ली)
अशोक कुमार	(गुरुग्राम)
चंदन सिंह	(दिल्ली)
सुशील कुमार	(करनाल)
राम नरेश	(कुशीनगर)
मो.शरीफ	(दिल्ली)
अभिषेक कुमार	(दिल्ली)
राज हुसैन	(कुशीनगर)
ध्रुव सेठी	(पंजाब)
विक्रमादित्य सिंह	(सीधी)
सावित्री सिंह	(सीधी)
निखिल सैनी	(मुजफ्फरनगर)
सत्येंद्र सैनी	(मुजफ्फरनगर)
रविकरन सिंह अलीगढ़	(उ. प्र)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

61/9 अशोक नगर दिल्ली - 110018

Customer Care No. 8744884766

ADVERTISEMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE	HALF PAGE	QUARTER PAGE
FULL FRONT PAGE	₹ 1,20,000/-	
FULL INNER PAGE	₹ 60,000/-	
FULL BACK PAGE	₹ 90,000/-	
HALF FRONT PAGE	₹ 66,000/-	
HALF PAGE INNER	₹ 36,000/-	
HALF PAGE BACK	₹ 51,000/-	
QTR. PAGE FRONT	₹ 36,000/-	
QTR. PAGE INNER	₹ 21,000/-	
QTR. PAGE BACK	₹ 30,000/-	

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-

Visiting Card Size Advertisements:

Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs. 3000/-

डॉ. विवेक अग्रवाल के शोध से प्रभावित होकर विदेश से आई भारतीय मूल की महिला ने चुना भारत में स्तन कैंसर का उपचार

नई दिल्ली। चिकित्सा विज्ञान में शोध केवल अकादमिक उपलब्धि नहीं होता, बल्कि कई बार यह मरीजों के जीवन में आशा और विश्वास का आधार बन जाता है। ऐसा ही एक प्रेरणादायक उदाहरण हाल ही में सामने आया, जब विदेश में रह रही भारतीय मूल की एक महिला ने स्तन कैंसर के उपचार के लिए ऑस्ट्रेलिया सहित विभिन्न देशों में उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन करने के बाद भारत आकर वरिष्ठ एंडोक्राइन एवं ब्रेस्ट सर्जन डॉ. विवेक अग्रवाल से उपचार करवाने का निर्णय लिया। मरीज को स्तन कैंसर का निदान होने के बाद उन्होंने अपने निवास देश ऑस्ट्रेलिया में विशेषज्ञों से परामर्श लिया । उपचार के विभिन्न विकल्पों पर विचार करते हुए उन्होंने वैज्ञानिक साहित्य और अंतरराष्ट्रीय शोध कार्यों का अध्ययन करना शुरू किया। इसी दौरान उनकी नजर डॉ. विवेक अग्रवाल और उनके सहयोगियों द्वारा प्रकाशित शोध पत्र "**Feasibility Study of Safe Breast Conservation**

in Large and Locally Advanced Cancers with Use of Radioopaque Markers to Mark Pre-Neoadjuvant Chemotherapy Tumor Margins" पर पड़ी। इस शोध में बड़े एवं लोकली एडवांस्ड ब्रेस्ट कैंसर के मरीजों में नियोएडजुवंट कीमोथेरेपी के बाद सुरक्षित रूप से ब्रेस्ट कंजर्वेशन सर्जरी करने की संभावनाओं और उत्कृष्ट परिणामों का वर्णन किया गया था। शोध के वैज्ञानिक आधार, दीर्घकालिक परिणामों और डॉ. अग्रवाल के अनुभव से प्रभावित होकर मरीज ने ऑस्ट्रेलिया में उपचार करवाने के बजाय भारत आने का निर्णय लिया।जब शोध पत्र बन गया उपचार का मार्गदर्शक किसी सर्जन के लिए इससे बड़ी उपलब्धि शायद ही हो सकती है कि वर्षों पहले प्र-काशित उसका शोध आज भी मरीजों के उपचार संबंधी निर्णयों को प्रभावित कर रहा हो। मरीज के अनुसार, इंटरनेट पर उपलब्ध डॉ. विवेक अग्रवाल के शोध



कार्यों और उनके क्लिनिकल अनुभव के बारे में पढ़ने के बाद उन्हें विश्वास हुआ कि वे कैंसर का प्रभावी उपचार प्राप्त करने के साथ-साथ अपने स्तन को भी सुरक्षित रख सकती हैं। उनका मानना था कि उपचार का चयन केवल अस्पताल के आधार पर नहीं, बल्कि उस सर्जन के अनुभव, शोध, प्रकाशित परिणामों और विशेषज्ञता के आधार पर होना चाहिए। यही विश्वास उन्हें हजारों किलोमीटर दूर भारत लेकर आया। ब्रेस्ट कंजर्वेशन सर्जरी: आधुनिक स्तन कैंसर उपचार की दिशा पहले बड़े

आकार के स्तन कैंसर में अक्सर पूरे स्तन को हटाना ही सबसे सुरक्षित विकल्प माना जाता था। लेकिन आधुनिक कैंसर उपचार और नियोएडजुवंट कीमोथेरेपी के विकास ने इस सोच को बदल दिया है। डॉ. विवेक अग्रवाल उन भारतीय सर्जनों में शामिल हैं जिन्होंने बड़े और लोकली एडवांस्ड स्तन कैंसर के मरीजों में भी स्तन संरक्षण की संभावनाओं पर कार्य किया तथा इसे वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित करने में योगदान दिया। उनके शोध ने यह दिखाया कि सही मरीज चयन, सटीक सर्जिकल योजना और आधुनिक

तकनीकों की सहायता से कैंसर को पूरी तरह निकालते हुए स्तन को सुरक्षित रखा जा सकता है। सफल सर्जरी विस्तृत जांच और उपचार योजना के बाद डॉ. विवेक अग्रवाल ने अपनी टीम के साथ सर्जरी सम्पन्न की। ऑपरेशन के दौरान कैंसरग्रस्त ऊतक को सुरक्षित मार्जिन सहित निकाला गया तथा स्तन की अधिकतम संरचना को संरक्षित रखा गया।

सर्जरी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई और मरीज की रिकवरी संतोषजनक रही। उपचार के बाद मरीज और उनके परिवार ने डॉ. अग्रवाल एवं उनकी टीम के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. अग्रवाल के शोध कार्य ने ही उन्हें भारत आने और यह उपचार चुनने का आत्मविश्वास दिया। भारतीय चिकित्सा विशेषज्ञता की वैश्विक पहचान यह घटना केवल एक सफल ऑपरेशन की कहानी नहीं है, बल्कि भारतीय चिकित्सा शोध की वैश्विक स्वीकार्यता का भी प्रमाण है। जब विदेश में रह रही भारतीय मूल

की महिला ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित स्वास्थ्य तंत्र वाले देश में उपलब्ध विकल्पों के बावजूद एक भारतीय सर्जन के शोध और अनुभव पर विश्वास कर उपचार के लिए भारत आती है, तो यह उस सर्जन की प्रतिष्ठा और वैज्ञानिक योगदान का सशक्त उदाहरण बन जाता है। डॉ. विवेक अग्रवाल द्वारा वर्षों पहले किया गया शोध आज भी दुनिया भर के मरीजों तक पहुँच रहा है और उनके उपचार संबंधी निर्णयों को प्रभावित कर रहा है। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत समर्पण और विशेषज्ञता को दर्शाती है, बल्कि भारतीय सर्जिकल विज्ञान की बढ़ती वैश्विक पहचान को भी रेखांकित करती है। यह सफल सर्जरी महाराजा अग्रसेन अस्पताल, वेस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली में सम्पन्न की गई। ऑपरेशन टीम मुख्य सर्जन डॉ. विवेक अग्रवाल वरिष्ठ एंडोक्राइन एवं ब्रेस्ट सर्जन सहायक सर्जन,डॉ. यशिता ,डॉ. निमिष एनेस्थीसिया विशेषज्ञ ,डॉ. सुकांत ओटी टेक्नीशियन,अर्जुन कौशिक, नर्सिंग स्टाफ,अनुपम

दिल्ली के छात्रों को विदेश में पढ़ाई का सुनहरा मौका, जर्मनी-जापान-फ्रांस में मिलेगी स्कॉलरशिप

दिल्ली सरकार ने सरकारी स्कूलों के मेधावी छात्रों को वैश्विक शिक्षा से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। 75 सीएम श्री स्कूलों के विद्यार्थियों को जर्मन भाषा का विशेष प्रशिक्षण दिया गया, जिसके बाद परीक्षा में सफल छात्रों का चयन विदेश में उच्च शिक्षा के लिए स्कॉलरशिप हेतु किया गया। चयनित छात्रों को जर्मनी, जापान और फ्रांस में पढ़ाई का अवसर मिलेगा। इसी के चलते आज इस अवसर पर डॉ. बी आर अंबेडकर सीएम श्री विद्यालय, लूडो कैसल राज निवास मार्ग पर आयोजित कार्यक्रम में, दिल्ली के शिक्षा मंत्री **Ashish Sood** ने छात्रों और उनके अभिभावकों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा



कि सरकार का लक्ष्य हर प्रतिभाशाली छात्र को विश्वस्तरीय शिक्षा, आधुनिक तकनीक और अंतरराष्ट्रीय अवसर उपलब्ध कराना है। विदेशी भाषाओं का ज्ञान और वैश्विक अनुभव छात्रों के भविष्य को नई दिशा देगा। यह पहल दिल्ली के सरकारी स्कूलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।
(संवाददाता सुहैल अहमद दिल्ली)

एकता म्यूजिकल ग्रुप एवं साज और आवाज ने दी मुकेश चंद माथुर जी को 104 जन्म दिवस पर संगीतमय श्रद्धांजलि

" हर दिल जो प्यार करेगा कार्यक्रम में गुंजे सदाबहार गीत " एकता म्यूजिकल ग्रुप एवं साज और आवाज के संयुक्त में 25 जुलाई 2026 शुक्रवार को इंडिया इस्लामिक कल्चर सेंटर लोधी मार्ग नई दिल्ली में हर दिल जो प्यार करेगा नमक भव्य संगीतमय कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया यह संध्या शुरू से सम्राट मुकेश चंद माथुर के जन्मदिवस पर विशेष श्रद्धांजलि के रूप में समर्पित की गई कार्यक्रम का शुभारंभ से 4:30 पर उच्च चाय पान के साथ हुआ मुख्य संगीत कार्यक्रम से 5:00 से प्रारंभ हुआ इस अवसर पर मुकेश जी के सदाबहार गीतों को प्रस्तुत किया गया,इस संगीतमय शाम



में दिल्ली एन.सी.आर,हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध कलाकारों ने प्रस्तुति दी इनमें अंकित पाठक मुमिता तालुकदार,शालू अरोड़ा,पूनम भारद्वाज,श्याम खुराना मुकेश की आवाज रवि जोशी-मोहम्मद रफी की आवाज अर्जुन महर्षि प्रेम शर्मा सहित अनेक प्रतिभाशाली गायक शामिल थे कार्यक्रम का मंच संचालन प्रसिद्ध सूत्रधार डॉ. इमरान खान

ने किया, कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती रेखा तिवारी संस्थापक मां कामाख्या सेवा संस्थान प्रयागराज उत्तर प्रदेश से सहित गेस्ट ऑफ ऑनर्स जयशंकर तिवारी को उपहार सहित सम्मानित किया, गेस्ट ऑफ ऑनर्स मुकेश गुप्ता दिल्ली क्राइम प्रेस एडमिन ऑपरेशन हेड एवं फिल्मी जगत से एक्टर वरुण सूरी को गेस्ट ऑफ ऑनर्स उपहार सहित

सम्मानित किया गया इस अवसर पर श्रीमती एकता खुराना आयोजक एकता म्यूजिकल ग्रुप श्री अनिल गोयल आयोजक साज और आवाज सुश्री दिव्या भारद्वाज प्रबंधक निदेशक एकता म्यूजिकल ग्रुप एवं श्री एस.एस खुराना जी उपस्थित रहे कार्यक्रम का डिजिटल पार्टनर स्वदीप इवेंट रहा जिसके द्वारा पूरे कार्यक्रम का लाइव स्क्रीनिंग एवं यूट्यूब पर सीधा प्रसारण किया गया,एक अच्छे कार्यक्रम की पहचान एक अच्छे मंच संचालक से होती है और इस मंच का संचालक डॉ. इमरान खान ने बखूबी निभाया जिनके ज्ञान के पिटारे से संगीत जगत मे युवा पीढ़ी को एक अच्छा ज्ञान प्राप्त होता है

DELHI CRIME PRESS की सदस्यता के लाभ

इच्छुक व्यक्ति समाचार पत्र की आजीवन सदस्यता प्राप्त करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। सदस्यता लेने के बाद मिलने वाले फायदे।

प्रभावशाली गौरवशाली राष्ट्रीय सेवा को समर्पित रोजगार।

निशुल्क विज्ञापन (एक विजिटिंग कार्ड साइज)।

सदस्यता पहचान पत्र व पेन।

दिल्ली क्राइम भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा के स्टीकर (कार व बाइक के लिए)।

अपने क्षेत्र में अपने राज्य में राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी प्रकार की समस्या पर लेख समाचार पत्र में प्रकाशित करवाने का सुअवसर।

दिल्ली जर्नलिज्म एंड इन्वेस्टिगेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट (पत्रकारिता प्रशिक्षण संस्थान) से प्रशिक्षण प्राप्त कर पत्रकार बनने का सुअवसर

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक इंद्रा द्वारा रॉयल ऑफसेट, 489 एफ.आई.ई, पटपट्टांगन इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली - 110092 से मुद्रित कराकर एम 64, हरी नगर, नई दिल्ली -110064 से प्रकाशित किया गया। संपादक : इंद्रा

Customer Care No. 8744884766, For News & Advertisement 8744882188, Email- info@delhicrimepress.in, website - delhicrimepress.in